तुबारि महने महने पत्रो

तुबारि

www.pangi.in
अब अंबेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 093,
April. 2020

नौ रात्री के तुसी सोबी जेईं बधे। जुग जुग जीओ लौते, तुस सोब। इस मेहने तुबारी संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड़डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए।

धन्यवाद

विषय सुची

क्र.	विषय सुची	पेज
1	कोरोना वाइरस्	2
2	दॉदु कथा	3
3	फियुड़	5
4	कम या फि आराम	6
5	वापस एई गई, निलियार	8
6	चुटकले	11

कोरोना वाइरस्

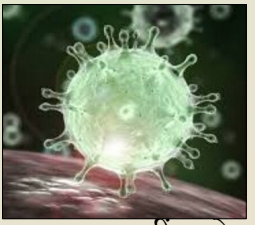

कोरोना नउए यक बिमारी पुरा भुमण डराई रखो असा। जीं तुं डाँक्टर तुसी जे बोता, तुस तेसे बोके माने, त तेंके बोकी के नियांगी माने। जीं से बोते कि 1 घटे बाद हाथ धूण त तीं करे। किस से हें लिए बोलुण लगो असे। ना त अस बी तेस बिमारी शिकार बणी घेन्ते। तुस सोब अपु मुहुँ जोई रुमाल या कुछ होरु लाई रखे, जेसे बेलि कि हें जे थुक या शहाम असु से केसे होरी जे न छुएल। होर अगर अस तेस बिमारी शिकार असे त असी एकेले बुशुण चाहिए, जेसे बेलि कि अस त हें शुई सुसुर त साफ भोल।

तुस हेरण लगो असे कि बाहरी देशी महेणु कीं मरण लगो असे। आजकल हें पांगेईं बि सोब धेर बन असु। ए ठीक किओ असु दुकानी बि यक रोज 11:00 बज किया 2:00 तकर खोलते। होर ई बी शुणुण अन्तर अओ असु कि पुलिस बाड़ी जे बी कोउं कआ त तेस बठ लोडिया देण लओ असे। तुस बी समोझी कइ बिशे, अगर कुछ कम असु त घिए, ना त ना घिए। तुं छनेआरे कते कि अपु गी बिशे त साफ सफेई ध्यान रखे। किस कि अगर तुस त तुं परिवार तकड़ा भोल त तुं भेयाड़ तकड़े भुन्ते। होर अगर तुं भेयाड़ तकड़े भोल त तुं ग्रां तकडु भुन्तु। ऑ जी अगर तुं ग्रां तकडु भोल त तुं पूरी पंचायत तकड़ी भुन्ति। ईं कर कइ पूरा पांगी घाटि त हें देश इस बिमारी केआं लड़ सकता।

विषय सूची

दॉदु कथा

ब्यादी बेहल्लू खाई कइ दॉदू अपु पोतुरु पोतरी जुओई खेलण लगो थिआ। दॉदू बोलु, "बसे गभुरो सुआ खेल छऊ। अब उंघीण दिए।' त गभुरु बोलु, "न दॉदूआ पहेला असि यक कथा शुणा। तोउं अस उंघते ना ता अस न उंघते। ठीक असु, गभुरो! एईए, मैं भेएड़ बिशे, अउं तुसी यक कथ शुणांता। यक राजा थिआ। से सुआ दाहोपरा त साफ सफेई बाड़ा थिआ। से अपु प्रजाई हर सुख दुखे पूरा ख्याल रखताथ। यक रोज से भेश बदली कइ अकेले ईं शेहर घुमण जे घेई गा। ब्यादा जपले से वापस आ त तेन अपु मन्त्री त नौखर चाखर सोब भिए त शेहरे चोहरो कना गन्दगी भुणे बझई जुओई से तेन्हि जे ती लेहरिया।

राजे शेहर अन्तर गन्दगी हेर कइ सुआ दुख लगा। राजा जाणताथ कि गन्दगी बेलिए केहि किस्मी बिमारी फैल सकती। राजे तसे टेम सोबी मन्त्री त नौखर चाखरी जे पूरे शेहरे साफ सफई करण जे बोलु। तोउं गभुरु "सचे ना दॉदूआ, राजे साफ सफई सुआ पसंद थी ना?" "ऑ गभुरो। तोउं ईं शुण सोब मन्त्री डर गए त अपफ बुच बोलुण लगे हई पूरे शेहरे सफई असी करीण ना? फि कि भु दॉदूआ? मन्त्री अपफ कीं ना सफेई? तोउं दॉदू बोलु, तेन्हि अपफ त ना कीं। पर यक मन्त्री एढ़ि लिए राजे जे यक सलहा दिती।" "कि सलाह् दिती दॉदूआ?

विषय सूची

तेन बोलु, “महाराज! में मनुण असु कि असी हमेशा साफ सफेई ख्याल रखण चाहिए। एसे लिए असी रोज सफेई करीण

महाराज, आज अगर अस
सफेई करी बि छड़ियाल
त बि शुई फि प्रजाई
मेह्णु किछ न किछ फट
कइ गन्दगी कइ छते।
महाराज में सलाह् असी
कि तुस पूरी प्रजाई यक टजोट अन्तर भिआई कइ साफ सफेई बारे बताण दिए त तेन्के सुविधाई लिए किछ नौखर-चाखर रखे, साफ सफेई करण जे, जेसे बेलि कि रोज सफेई भुन्ति रिहेल।”

राजे मन्त्री बोक सुआ अब्बल लगी। तोउं राजे यक टजोट करणे बोलु। टजोट अन्तर राजे मेह्णु जे साफ सफेई बारे बताऊ त तढ़िया पता शेहर हर टेम चमकण लगा। ठीक बोलु तुसी दॉदुआ गभुरो, इ कथा असी ईं शिक्षा देन्ती कि असी सिर्फ अपु गीहेरी ना बल्कि पूरे शेहरे साफ सफाई ध्यान रखण चाहिए। न त असी गन्द फटाण चाहिए, होर न केसे फटाण देण चाहिए। तोउं दॉदू बोलु “घिए गभुरो, अब उंघीण दिए रात सुआ भोई गई।” गभुरु बोलु “ठीक सी दॉदूआ, तुस बि आराम जुओई उंघीण दिए।”

विषय सूची

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लोवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

फियुड़ु

मोजीकने लगियल बियार मतवाड़ी
मोजीकने लगियल बियार आगी ईं
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु।

पन्नी के कल्हाई बिश कइ
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु
कंटी के पुणण सेहि सेहि कइ
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु

पुठे डई पुठ फुली कइ
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु
भीं झड़ी जन अन्तर मिइ कइ
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु
रोलुण फियुड़ु न एन्तु
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु
तोउं त से सोबी अबल लगतु
फियुड़ु हमेशा मुस्करान्तु।

विषय सूची

कम या फि आराम

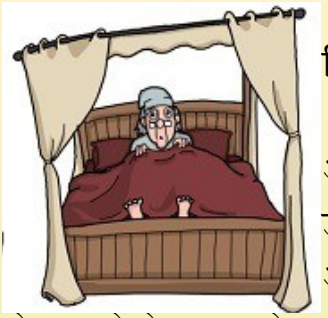

यक मेह्णु ती सुसत थिआ। से यक ईं जिन्दगी चहांताथ, जेस अन्तर से बस आराम जोईए बछाण पुठ उंघोरा लौताथ। अतुरु ना! अगर तेस केसे चीजी जरुरत भोल त से तेस बछाणे पुठ लौति मेओ। तसे एस आदत केआं तसे गीहे बाड़े सुआ परेशान थिए। गीहे बाड़ी तेस सुधारणे लिए तसे कोई इच्छा पूरी न की। यक रोज से मरी गा। मारण केआं पता यमदूत तेस स्वर्ग घिन गे। स्वर्ग सुआ अब्बल थिआ, जेस हेर कइ से सुआ खुश भोई गा। स्वर्गदूते तेस मेह्णु तसे गी हरालु त तेस जे बोलु, “तोउ इठिया कुरेहे बि घेणे जरुरत नेई। सोब किछ तोउ इठि मेई घेन्तु। इ सोब नौखर नौखरणी तें हर यक हुक्म मानते।”

ईं शुण कइ से मेह्णु सुआ खुश भोई गा त सोचुण लगा कि “हॉ बारा, अउं इठि पेहलाई एई गो भुन्ताथ त मेईं अपु गी जे दुख कष्ट सेहे, से मोउं न सहेण एन्तेथ।” अब से मेह्णु दन रात उंघताथ। तेस जे किछ बि लौतुथ, से तेस जे तठि मेई घेन्तुथ। केहि रोजे बाद, से मेह्णु एन्हि कमि केआं बोर भुण लगा।

जपल बि से अपु बछाण पुठा खड़ीणे कोशिश कताथ, त नौखर नौखरणी तेस रोकि छतेथ। ईहांणि कते-कुते सुआ बकत बिती गा।

विषय सूची

मठे मठे तेस मेह्णु अब ईं आरामे जिन्दगी भरोटू ईं लगण लगी। अब स्वर्ग अन्तर तसे मने न लगा लगण। अब से किछ कम करण चहांताथ। यक रोज तेन यमदूत जे बोलु, "अउं अब इस जिन्दगी केआं बोर भोई गो असा त अउं किछ कम करण चहांता।"

यमदूते बोलु, "तु इठि कम करणे लिए न, बल्कि आराम करण जे भिहो असा। तु बि त ईहांणी जिन्दगी चहांताथ। अब त तु बस असी अपु इच्छा बतांता रिहे। अस तें सोब इच्छा पूरी कते। तेन मेह्णु यमदूत केआं माफी मगी त बोलु, "अब में कोई बि इच्छा नेई। अउं अब किछ कम करण चाहांता। अब सोब किछ में समझ एई गोऊ। यमदूते तेस मेह्णु जे बोलु, "अब मोउं बि समझा कि तोउ कि तोउ कि समझ आई।" तेन मेह्णु बोलु, "मेईं एन्हि सोबी केआं एईए समझू कि केसे बि मेह्णु कमे टेम कम त आरामे टेम आराम करण चाहिए। एन्हि दुहि अन्तरा यक बि चीज सुआ भोई गई त जिन्दगी मज्जा ईं खत्म भोई घेन्ता।

ए मितरा, इस कथाई केआं अउं तुसी ईं समझाण चहांता कि अपु कम कदि बि भरोटू ईं न समझे त टेम टेम पुठ पुरु करे। तुस जतो मन लाई कइ कमे करियेल, कम ततुरु खरु भुन्तु त कम करण बि ततो मज्जा एन्ता।

विषय सूची

वापस एई गई, निलियार

यक मठड़ कुआ थिआ, तेस नउ थिउ सिमरन। सिमरने स्कूल यक हफ्ते रोजे छुटी भुई त से अपु नॉनू गी अओ थिआ। सिमरन अपु मॉम सुआ त्यारा थिआ। से अपु मॉम जुओई रोज के भ्यागे भ्यागे सुआ लम्मी घुमुण जे घेन्ताथ।

यक रोज सिमरन अपु मॉम जुओई घुमुण जे गओ थिआ। हठंते हंठते सिमरने नजर बते ओत यक मठड़ ईं जमून बुटे पुठ गई। तसे ढक अजीब ईं थिआ। ईं लगतुथ कि जीं केनि तस बुटे ढक पुठ सुआ जन थशो असा। से बुटे भेएड़ आ त ध्यान जुओई तेस हेरण लगा। जमून बुटे पुठ सुआ दीमक लगो थिए। बुटा शुखता गओ थिआ। तसे डाई त पन्ने सुआ उदास केण लगो थिए। ईं लगतुथ कि जीं बोलुण लगो असे कि "कोऊं जेईं असी बचाण दिए, बे कोऊं जेईं असी बचाण दिए।"

मॉम सैर कते थोड़ा अगर घेई गा। तेस लगू कि सिमरन अओरा नेई। तेन पतू खिरक कइ हेरू त सिमरन जे हक दिती 'ओई! तु बते ओत घेई कइ कि हेरण लगो असा? झठ आई। तें सैर पूरी न भुन्ती त मोउं बि दुकान जे चेरे भुन्तु।'

विषय सूची

सिमरने बोलु, “मामा जी, तुस घिए। अउं पता एन्ता।” मामे बोलु, “आई बारा ईए, तें एस शुखो बुटे जुओई कि लेणा देणा असा? मोउं पता असा, एस बुटे दिमक लगो असे। तु झठ इएर आई।” सिमरने धिक जोरी जुओई बोलु, “पर माम जी, हेरे दीमके बझई जुओई ई मठड़ ई बुट शुखता गओ असा। एसे डाई त पन्नी के हाल हेरे।” मामा जी लेहरी गा त बोलु, “ठीक सी, तु भलाई कता रेह त बचांता रेह एस शुखो बुटे। अउं गा सैर करण जे।”

ईं बोल कइ माम घेई गा। सिमरने इए ओवोर हेरु। तेन थोड़े दूर यक शुखो लेउड काआॅ। तेन से लेउड टाता त तसे बेलि से पेहले बुटे ढके जन घराण लगा। से ईं हेर कइ हैरान भोई गा कि दीमके अन्तर केआं बुटे ढक सुआ खाई गओ थी। से ढोढर भुण लगो थिआ। ईं लगण लगो थिउ कि जीं केनि से मठड़ बुटा झेउटे बइ कटण लओ असा। सिमरन ईं हेर कइ त हऊ बि सुआ हैरान भोई गा कि दिमके बुटे ढक केआं अन्तरी अन्तरी बइ खड़ी तकर घेण अपु अपु खुली बत बडाओ थी। दीमके ईं करीगिरी हेर कइ सिमरन हैरान परेशान भोई गा। सिमरन बुटे ढक जुओई चिपको जन लेउडे बइ घरांता रिहा। सुआ दीमक भीं झड़ गओ थी। थोडु ई चेरे सिमरने मामे दोस्त बलदेव बि सैर कते कते तठि पुजा। तेनि सिमरन पिछाण छड़ा। से बि तसे भेएड़ एई गा। तेन बि यक लोडूड़ टातु त जेठि तकर सिमरने हथ न पुजतुथ तठि तकर तेन लगो जन त दिमक साफ किए। तोउं सिमरने माम सैर कर कइ वापस एई गा। तेन हेरु कि सिमरन जुओई तसे दोस्त बलदेव बि दिमक घराण लगो थिआ।

विषय सूची

तोउं सिमरने मामे हसाण कर कइ अपु दोस्ते जे बोलु, 'बलदेव जी, तु बि सिमरने ईं बेकार कम अन्तर पड़ी गा ना? आज सैर करण बिसरी गा ना तु? बलदेवे तेस जुओई हथ मियांते मियांते बोलु। "प्रकाश जी, प्रकृति बचाण सुआ पुन्य कम असु। अस हर रोज सैर करण जे इन बइ घेन्ते। पर असी कदी सोचो असु ना कि अस इन्हि बुटी के बझई जुओई जीन्ते असे। जे कम असी करुण चाहिए थिउ, से इन कोईए किउ। तें भाणेजे अपु सैर करीण छड़ दी कइ इस मठड़ बुटे धे दुबारी जिन्दगी दिती, अउं एस शाबाशी देन्ता।" प्रकाश अपु दोस्ते बोक शुण कइ लज्जेई गा। अपल तकर तेन्हि बुटा पूरा साफ कइ छओ थिआ।

शुई केआं खड़ स्कूल खुलण लगो थिए। तोउं त सिमरन अपु गी जे वापस घेई गओ थिआ। हेउस सिमरने मामे बाजार केआं दिमके दवा अह्णती त पणि जुओई मियाई कइ जमून बुटे ढक अन्तर छटकाइ छड़ी।

दुई मेहने बाद जपल सिमरन फि अपु नॉनू गी आ त ईं हर कइ खुश भोई गा कि जमून बुटे पुठ नीलू भुओ थियु। तसे डाई त पन्ने बियारी बेलिए हिलण लगो थिए। सिमरन जमून बुटे भेएड़ घेई कइ तेस यक टख हेरण लगो थिआ। तेस लगु कि हिलती डाई त पन्ने तेस जे बोलुण लगो असे, 'धन्यवाद सिमरन।' सिमरने चेहरा खिल गओ थिआ।

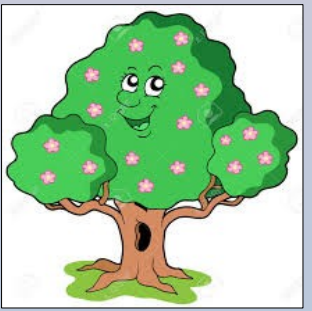

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनजाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंधे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकले

1 मास्टरे यक गभुरु केआं पुछु:- "बोल, पुराणे जुवाने अन्तर रावणे लंका जे, सुन्ने लंका' किस बोतेथ' गभुरु:- सर, किस कि कुम्भकर्ण हमेशा उंघी बिशताथ तोउं त तेस जे 'सुन्ने लंका' बोतेथ।

2 यक पंडिते यक कुआ केआं पुछु:- बोल कोईया, सोबी केआं बोडा दान की भुन्ता?
कुआ:- पंडित जी, मैं बोउ बोता कि सोबी केआं बोडा दान मतदान (बोट) भुन्ता।

विषय सूची